अंदर के पेजों पर पढ़ें
2 रेलगाड़ियों की लेटलतीफी से सुविधाओं की खुली पोल,...
6 गिल ने फिर तोड़ा भारतीय फैन्स का दिल...
7 संशोधित पार्बती-कालीसिंध-चंबल-ईआरसीपी लिंक परियोजना ...

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 11 अंक-01 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 30 जनवरी से 05 फरवरी 2024 पृष्ठ-8 मूल्य -2

भारत से तनातनी के बीच मालदीव की संसद में हाथापाई

भारत से जारी तनातनी के बीच मालदीव की संसद में विपक्ष और सत्ता पक्ष के सांसदों में हाथापाई हुई है.मालदीव में मोहम्मद मुइज़्ज़ू की सरकार को चीन परस्त कहा जा रहा है और वहाँ के विपक्ष को भारत समर्थक माना जाता है. मालदीव का विपक्ष भारत के साथ संबंध ख़राब करने के लिए मुइज़्ज़ू सरकार की आलोचना भी करता रहता है.

रविवार को मालदीव की संसद में झड़प राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज़्ज़ू के मंत्रिमंडल में चार सदस्यों को मंज़ूरी देने की बात पर शुरू हुई. ये मतभेद इतना बढ़ा कि मुइज़्ज़ू सरकार के समर्थक और विपक्षी सांसदों के बीच हाथापाई तक हो गई.कुछ सांसद स्पीकर की कुर्सी पर भोंपू बजाकर विरोध करते भी नज़र आए

उत्तराखंड में UCC लाने की तैयारी पूरी, 2 फरवरी को ड्राफ्ट सौंपेगी कमेटी, बजट सत्र में बिल पास कराएगी धामी सरकार

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर अपना रुख साफ कर दिया है. उन्होंने कहा कि यूसीसी का मसौदा तैयार करने के लिए बनी कमेटी 2 फरवरी को अपना ड्राफ्ट प्रदेश सरकार को सौंपेगी. इसके बाद हम आगामी विधानसभा सत्र में विधेयक लाकर समान नागरिक संहिता को प्रदेश में लागू करेंगे।

उत्तराखंड सरकार ने प्रदेश में समान नागरिकता संहिता लागू करने की तैयारियां पूरी कर ली हैं. उम्मीद जताई जा रही थी कि इस विधानसभा सत्र में बजट के साथ-साथ यूसीसी को भी पेश किया जा सकता है. अब मुख्यमंत्री ने साफ कर दिया है कि वह आगामी बजट सत्र के दौरान यूनिफॉर्म सिविल कोड के मसौदे को विधानसभा पेश कानून को प्रदेश में लागू कर देंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि यूनिफॉर्म सिविल कोड के लिए बनाई गए विशेष कमेटी 2 फरवरी को अपने मसौदा सरकार को सौंप देंगी. इसके बाद आगामी विधानसभा सत्र में विधेयक पेश कर इसको कानून बना दिया जाएगा. सीएम ने यह जानकारी सोश मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर दी है।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भारत, श्रेष्ठ भारत के विजन और चुनाव से पूर्व उत्तराखंड की देवतुल्य जनता के समक्ष रखे गए संकल्प एवं उनकी आकांक्षाओं के अनुरूप हमारी सरकार प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू करने हेतु सदैव प्रतिबद्ध रही है।

उन्होंने आगे लिखा कि यूनिफॉर्म सिविल कोड का मसौदा तैयार करने के लिए बनी कमेटी 2 फरवरी को अपना ड्राफ्ट प्रदेश सरकार को सौंपेगी. इसके बाद हम आगामी विधानसभा सत्र में विधेयक लाकर समान नागरिक संहिता को प्रदेश में लागू करेंग।

टैक्स से लेकर रोजगार तक, बजट में आम आदमी को निर्मला सीतारमण से ये उम्मीदें

दिल्ली । एक फरवरी 2024 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बजट पेश करने वाली हैं. इस बजट से मध्?यम वर्ग और नौकरीपेशा लोगों को कई उम्मीदें हैं, जिसमें टैक्स छूट से लेकर रोजगार का तोहफा मिल सकता है।

निर्मला सीतारमण लगातार छठवीं बार केंद्रीय बजट पेश करने वाली हैं. एक फरवरी 2024 को वित्त मंत्री यह मुकाम हासिल कर लेगीं. इस बार के बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर डिफेंस सेक्टर्स के लिए बड़ा ऐलान हो सकता है. इसके अलावा, उम्मीद की जा रही है कि निर्मला सीतारमण Budget में मध्यम वर्ग और नौकरीपेशा लोगों के लिए भी कुछ खास ऐलान कर सकती है।

आम आदमी के लिए सबसे बड़ी चिंता रोजगार है. बेरोजगारी की चिंताओं का सामना कर रहा मध्यम वर्ग उन नीतियों और योजनाओं का बेसब्री से इंतजार कर रहा है जो रोजगार के अधिक अवसर पैदा कर सकें. चुनाव के मद्देनजर, अंतरिम बजट में नौकरी के अवसर में बढ़ोतरी होने की उच्च उम्मीद है. साथ ही मध्यम वर्ग के लिए टैक्स छूट किफायती आवास, महंगाई से राहत और होम लोन ब्याज दरमें कमी जैसी चीजों के ऐलान की भी संभावना है।

रोजगार योजना का विस्तार

उम्मीद की जा रही है कि भारत सरकार आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना का विस्तार कर सकती है, जो कंपनियों को सब्सिडी प्रोवाइड कराती है. इससे रोजगार के अवसर पैदा होंगे. यह योजना मार्च 2024 तक समाप्त होने वाली है. वहीं ग्रामीण रोजगार योजना के तहत NREGS का भी बजट बढ़ाया जा सकता है. इसके अलावा रेलवे, डिफेंस और इंफ्रास्ट्रक्र जैसे सेक्टर में भी रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए कुछ खास ऐलान हो सकता है।

इनकम टैक्स छूट की उम्मीद

मध्यम वर्ग के लिए टैक्स के बोझ को कम करने के लिए केंद्र सरकार इस बार के बजट में इनकम टैक्स छूट को लेकर भी ऐलान कर सकती है. उम्मीद की जा रही है कि इनकम टैक्स की धारा 80सी के तहत छूट का दायरा 1.5 लाख रुपये सालाना से ज्यादा किया जा सकता है. अगर ऐसा किया जाता है तो PPF से लेकर इंश्योरेंस के तहत दी जाने वाली टैक्स छूट ज्यादा हो जाएगी, जिसका सीधा लाभ मध्यम वर्ग और वेतनभोगी कर्मचारियों को मिलेगा।

इंश्योरेंस को जीएसटी से छूट

बजट 2024 में इंश्योरेंस को लेकर भी छूट का ऐलान हो सकता है. उम्मीद है कि आगामी बजट में वित्त मंत्री बीमा पॉलिसियों को GST से छूट मिलेगी, जिससे बीमा प्रीमियम में कमी आएगी. छूट मिलने से इंश्योरेंस की संख्या में इजाफा भी होगा और अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी होगी।

बिहार पहुंची भारत जोड़ो न्याय यात्रा, किशनगंज में राहुल गांधी ने उठाया OBC और जाति जनगणना का मुद्दा

राहुल गांधी ने कहा- मैं बिहार में ओबीसी समुदाय को बताना चाहता हूं कि 90 अधिकारियों में से केवल 3 ओबीसी हैं. इसीलिए हमने इस दिशा में एक क्रांतिकारी कदम की बात कही है0 भारत को अब पता होना चाहिए कि देश में ओबीसी दलितों की सही आबादी कितनी है. इसलिए हम भारत में जाति जनगणना चाहते हैं।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा आज बंगाल से बिहार में प्रवेश कर गई. किशनगंज में बंगाल कांग्रेस के अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने बिहार पीसीसी चीफ को बैटन पास किया। बिहार में यात्रा के पहले पड़ाव पर अपने संबोधन में राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर हमला करते हुए कहा कि मणिपुर 9 महीने से हिंसा की आग में जल रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री को राज्य का दौरा करने का समय नहीं मिल रहा. राहुल गांधी ने एक बार फिर ओबीसी का मुद्दा उठाया और कांग्रेस की सरकार बनने पर जाति जनगणना कराने की बात कही।

उन्होंने कहा, पूरा देश जानता है कि भारत में सबसे बड़ी आबादी ओबीसी की है. उसके बाद दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यक समुदाय का नंबर आता है. मैं ओबीसी समुदाय को बताना चाहता हूं कि केंद्र सरकार को 90 आईएएस अधिकारी चला रहे हैं. वे केंद्रीय बजट को नियंत्रित करते हैं. मैं बिहार में ओबीसी समुदाय को बताना चाहता हूं कि 90 अधिकारियों में से केवल 3 ओबीसी हैं और इस प्रकार ओबीसी के लिए बहुत कम पैसा आवंटित किया गया है. इसीलिए हमने इस दिशा में एक क्रांतिकारी कदम की बात कही है. भारत को अब पता होना चाहिए कि देश में ओबीसी दलितों की सही आबादी कितनी है.इसलिए हम भारत में जाति जनगणना चाहते हैं।

राहुल गांधी ने अपने संबोधन में कहा कि देश तभी तरक्की करेगा, जब एक श्रमिक को भी वही सम्मान मिलेगा, जितना सम्मान किसी उद्योगपति को मिलता है. इसी लक्ष्य के लिए हम न्याय की महायात्रा निकाल रहे हैं. राहुल ने कहा, %पिछले साल हमने कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा की थी. लोगों ने हमसे पूछा कि इस यात्रा का लक्ष्य क्या है और इसे आप पैदल क्यों कर रहे हैं? हमने कहा देश में BJP-RSS की विचारधारा ने हिंसा और नफरत फैला रखी है. इसलिए हमने नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने के लिए यह यात्रा निकाली. हिन्दुस्तान की राजनीति पर इस यात्रा का बहुत बड़ा असर पड़ा था।

संपादकीय

रेलगाड़ियों की लेटलतीफी से सुविधाओं की खुली पोल, मौसम को वजह बताकर जिम्मेदारी से बचना अनुचित

विडंबना यह है कि जब ट्रेनों के परिचालन से जुड़ी समस्या गहराने लगती है और इससे जुड़े सवाल तूल पकड़ने लगते हैं, तब सरकार या रेल महकमे की ओर से इसके हल के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल और अन्य उपाय करने की बात कही जाती है। मगर कुछ समय बाद फिर आने वाली ऐसी शिकायतें बताती हैं कि आश्वासनों पर अमल की हकीकत क्या है। हाल के दिनों में ट्रेनों की लेटलतीफी, इसके परिचालन में अव्यवस्था और आए दिन होने वाले हादसों से फिर यही सवाल उठा है कि आधुनिकीकरण और अंतरराष्ट्रीय स्तर की सेवा मुहैया कराने के दावे के बरक्स भारतीय रेल कहां है।

संपादक-
गोपाल गावंडे

फिलहाल हालत यह है कि राजधानी दिल्ली से खुलने वाली ट्रेनें समय से नहीं खुल पा रही हैं और कई-कई घंटे देरी से चल रही हैं। राजधानी एक्सप्रेस जैसी गाड़ियां भी पंद्रह-सोलह या इससे भी ज्यादा देरी से अपने गंतव्य पर पहुंचीं। यह माना जा सकता है कि बीते कुछ दिनों से घना कोहरा छाए रहने की वजह से ट्रेनों का परिचालन बाधित हुआ है, लेकिन अगर इसके अलावा भी सभी स्तरों पर अव्यवस्था दिख रही हो, तब इसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

ऐसी शिकायतों का स्पष्टीकरण प्राकृतिक कारण के रूप में नहीं दिया जा सकता कि यात्रियों के सामने खानपान की मुश्किल पैदा हो रही और ट्रेनों में साफ-सफाई अव्यवस्था का शिकार है। ऐसे में लंबी यात्रा कर रहे लोगों और उनके परिवारों और बच्चों के सामने कैसी समस्या पैदा हो रही होगी, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है।

फाग सेफ डिवाइस लगाने पर भी देर से चल रहीं ट्रेनें

मौसम की वजह से उपजी मुश्किल एक पहलू जरूर है, लेकिन व्यवस्थागत रूप से प्रबंधन बेहतर हो, तो समस्या और असुविधा कम की जा सकती है। इस मामले में रेलवे में बहुस्तरीय कमी साफ देखी जा सकती है। कहने को बीते कुछ वर्षों में कोहरे के दौरान भी ट्रेनों के परिचालन को सामान्य बनाए रखने के लिए 'फाग सेफ डिवाइस' यानी कोहरा-रोधी यंत्र के इस्तेमाल की बात कही गई, मगर आज भी अगर गाड़ियां अपने निर्धारित समय से पंद्रह-सोलह या बीस घंटे देरी से चल रही हैं तो इसकी क्या वजह है? क्या ये यंत्र वास्तव में उपयोगी नहीं हैं या फिर ट्रेनों में इसे लगाने और उचित इस्तेमाल को लेकर प्रबंधन के स्तर पर कोई कमी है?

ट्रेनों को देर से चलने से कई तरह की समस्याएं आती हैं

विडंबना यह है कि जब ट्रेनों के परिचालन से जुड़ी समस्या गहराने लगती है और इससे जुड़े सवाल तूल पकड़ने लगते हैं, तब सरकार या रेल महकमे की ओर से इसके हल के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल और अन्य उपाय करने की बात कही जाती है। मगर कुछ समय बाद फिर आने वाली ऐसी शिकायतें बताती हैं कि आश्वासनों पर अमल की हकीकत क्या है।

पिछले कुछ सालों में पटरियों और डिब्बों की गुणवत्ता में सुधार से लेकर रेलवे के बुनियादी ढांचे के विकास के मामले में तेज आधुनिकीकरण करने का दावा किया गया है। ट्रेनों को हादसे से बचाने के लिए 'कवच प्रणाली' के सफल परीक्षण की खबरें भी आईं। तेज रफ्तार और आधुनिक तकनीक के साथ अन्य सुविधाओं से लैस ट्रेनों के संचालन की शुरुआत लोगों के बीच उम्मीद जगाने के लिहाज से अच्छी बातें हैं। मगर पिछले कुछ समय के दौरान लगातार ट्रेनों के पटरियों से उतरने की घटनाएं जिस तरह आम हो गई हैं, कई बड़े हादसे सामने आए, वे बताते हैं कि केवल संसाधनों के स्तर पर कमी को दूर करने के दावे से सेवा की गुणवत्ता में सुधार लाना संभव नहीं है।

प्रबंधन के मामले में जब तक कोताही या लापरवाही बरती जाएगी, तब तक यात्रियों को बेहतरीन सुविधा मुहैया कराने की बातें बेमानी ही रहेंगी। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि ट्रेन यात्रा आज लगातार महंगी होती जा रही है और साधारण लोगों के लिए उसमें जगह सिमट रही है। त्योहारों के मौके पर रेलवे स्टेशनों पर जितनी बड़ी तादाद में लोग अपने गांव-घर जाने के लिए जमा होते हैं, उससे पता चलता है कि जरूरत के मुकाबले ट्रेन सुविधाओं की हालत क्या है।

राजनीति

यशवंत सिंह, चतुर सिंह, आनंदपाल सिंह और फिर पद्मावत 2018 में राजपूतों की नाराजगी पड़ी थी भारी! अब BJP ने ऐसे की मनाने की कोशिश

2018 में राजपूत समुदाय सिर्फ मूवी पद्मावत को लेकर ही नाराज था। दरअसल यह खेल शुरू हुआ साल 2014 में जब बीजेपी ने वाजपेयी सरकार में मंत्री रहे यशवंत सिंह को बाड़मेर से टिकट देने से इनकार कर दिया।राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग में अब एक महीने से भी कम का समय बाकी है। राज्य की सत्ता में वापसी के लिए बीजेपी हर समुदाय को साधने की कोशिश कर रही है। राजस्थान में बेहद प्रभावशाली माना जाने वाले राजपूत समुदाय को अपने पाले में करने के लिए बीजेपी ने इस बार खास रणनीति पर काम कर रही है। कहा जाता है कि साल 2018 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी की हार की सबसे बड़ी राजपूत समुदाय की नाराजगी थी।

बात नवंबर 2017 की है॰ राजस्थान विधानसभा चुनाव में करीब साल भर का समय था॰ उन दिनों करणी सेना के सदस्य बॉलीवुड की मूवी पद्मावत को लेकर बेहद नाराज थी। फिल्म का ट्रेलर सामने आने के बाद राजस्थान की सड़कों पर करणी सेना और राजपूत समुदाय का गुस्सा सभी ने देखा था। साल 2018 में चुनाव होने थे॰ उससे पहले करणी सेना के चीफ लोकेंद्र सिंह कालवी ने ऐलान कर दिया कि वो सत्ताधारी बीजेपी को हराने वाले प्रत्याशियों को मदद करेंगे। कहा जाता है कि करणी सेना को पूरे राजपूत समुदाय का समर्थन हासिल है। चुनाव के परिणाम जब आए तो बीजेपी द्वारा उतारे गए 26 राजपूत प्रत्याशियों में से सिर्फ 10 विधानसभा पहुंच सके।

ऐसा नहीं है कि 2018 में राजपूत समुदाय सिर्फ मूवी पद्मावत को लेकर ही नाराज था। दरअसल यह खेल शुरू हुआ साल 2014 में जब बीजेपी ने वाजपेयी सरकार में मंत्री रहे यशवंत सिंह को बाड़मेर से टिकट देने से इनकार कर दिया। इसके दो साल बाद हिस्ट्रीशीटर चतुर सिंह (जाति से राजपूत) को एनकाउंटर में मार दिया गया और फिर साल 2017 में एक अन्य गैंगस्टर आनंदपाल सिंह के एनकाउंटर के बाद राजपूत समुदाय का गुस्सा फूट गया। बड़ी संख्या में राजपूतों का मानना है वसुंधरा सरकार के दौरान हुआ यह एनकाउंटर फर्जी था। इस एनकाउंटर के बाद कई दिनों तक सड़कों पर प्रदर्शन हुए। इसके बाद दीपिका पादुकोण की मूवी पद्मावत बीजेपी के लिए 'ताबूत में आखिरी कील' जैसी साबित हुई।

रजपूती गौरव को पहुंची ठेस?

राजस्थान के सियासी जानकारों की मानें तो इन सारे घटनाक्रमों को राजपूतों ने 卐रजपूती गौरव卐 को ठेस पहुंचने के रूप में देखा। इतना ही नहीं वसुंधरा राजे और अमित शाह के बीजेपी राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष के मामले में भी ऐसी बातें सामने आईं। कहते हैं अमित शाह चाहते थे कि जोधपुर के सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत राजस्थान बीजेपी के चीफ बने जबकि वसुंधरा यह नहीं चाहती थीं। इसी वजह से बहुत सारे राजपूत वसुंधरा के खिलाफ हो गए।

इस बार बीजेपी ने गुस्सा करने के लिए क्या किया?

अब सीधे बात करते हैं साल 2023 की॰ राजस्थान में जारी सियासी सरगर्मी के बीच कुछ ही दिनों पहले बीजेप ने पोलो प्लेयर भवानी सिंह कालवी को बीजेपी में शामिल कर सबको चौंका दिया। भवानी सिंह कालवी के पिता लोकेंद्र सिंह कालवी थे, उन्होंने ही साल 2018 में बीजेपी को हराने के लिए अपील की थी। बीजेपी ने उन्हें जयपुर के बजाय दिल्ली स्थित राष्ट्रीय कार्यालय पर पार्टी में शामिल किया। इस दौरान राजस्थान बीजेपी चीफ सीपी जोशी, कानून मंत्री अर्जुन राम और सांसद दिया कुमारी भी मौजूद थे। बीजेपी सूत्रों का कहना है कि इस प्रयास के जरिए राजपूतों का विश्वास हासिल करना चाहती थी।

इतना ही नहीं बीजेपी ने महाराणा प्रताप के वंशज विश्वराज सिंह मेवाड़ को भी पार्टी में शामिल किया। बीजेपी ने उन्हें नाथद्वारा विधानसभा सीट से मैदान में उतारा है। इस सीट पर कांग्रेस के सीपी जोशी का कब्जा है। कहा जा रहा है कि विश्वराज सिंह के नाथद्वारा से उतरने से कांग्रेस भी बेचैन हो गई है। सीपी जोशी ने कांग्रेस के कैडर को खास तौर पर कहा है कि वो ऐसा कुछ भी न करें, जिससे बात 'राजपूत गौरव' तक पहुंच जाए। विश्वराज सिंह मेवाड़ को खुद बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी में शामिल कर दिया यह मैसेज देने का प्रयास किया कि वो राजपूतों का सम्मान करते हैं। अब बीजेपी के इन प्रयासों का कितना असर राजपूत समुदाय पर होता है यह चुनाव के परिणामों के बाद ही पता चलेगा।

निगम द्वारा कचरा फैलाने पर पाथ इंडिया कंपनी पर किया 10 हजार का स्पॉट फाईन

इंदौर । महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव एवं आयुक्त श्रीमती हर्षिका सिंह के निर्देशानुसार शहर में कचरा व गंदगी फैलाने वालो के विरूद्ध चालानी कार्यवाही करने के निर्देश के क्रम में झोन क्रमांक 15 के अंतर्गत फुटी कोठी चौराहे के पास कचरा व गंदगी करने पर पाथ इंडिया कंपनी प्रायवेट लिमिटेड के विरूद्ध रूपये 10 हजार का स्पॉट फाइन किया गया।

झोन क्रमांक 15 सहायक सीएसआई श्री पंकज धोलपुरे ने बताया कि झोन क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान फुटी कोठी चौराहे के पास कचरा व गंदगी फैली पाये जाने पर ज्ञात हुआ कि फुटी कोठी चौराहे पर पाथ इंडिया कंपनी प्रायवेट लिमिटेड द्वारा ब्रिज निर्माण किया जा रहा है, पाथ इंडिया कंपनी के कर्मचारियो द्वारा ब्रिज निर्माण के पास ही कचरा व गंदगी फैलायी जा रही है। इस पर स्वास्थ्य अधिकारी श्री संदीप पाटोदी, सहायक सीएसआई श्री पंकज धोलपुरे, सीएसआई श्री अवध नारायण द्वारा मौका स्थल पर जाकर कंपनी के द्वारा रोड पर कचरा गंदगी फैलाने पर पाथ इंडिया कंपनी प्रायवेट लिमिटेड के विरूद्ध रूपये 10 हजार का स्पॉट फाईन कर राशि वसुल की गई।

5 लाख नहीं लाई तो कर लूंगा दूसरी शादी, प्रकरण दर्ज

इंदौर । निपानिया में रहने वाली महिला की शिकायत पर लसूडिया पुलिस ने पति और सास ससुर के खिलाफ दहेज प्रताड़ना की धाराओं में केस दर्ज किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अमृत पैलेस कॉलोनी निपानिया में रहने वाली 28 वर्षीय अंकित भावसार ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी 2 साल पहले चिरंजीव निवासी कुक्षी धार से हुई। शादी में परिजन ने 10 लाख से अधिक का गोल्ड और अन्य सामान दहेज में दिया था।

फरियादी अंकित के मुताबिक शादी के कुछ महीने ठीक-ठाक तरीके से गुजरे फिर उसे मायके से 5 लख रुपए लाने के लिए पति सास संगीता भावसार ससुर लोकेश भावसार आदि ने प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। चिरंजीवी ने धमकी दी की अगर 5 लाख रुपए नहीं लाई तो तुझे तलाक दे दूंगा और फिर दूसरी शादी कर लूंगा। इसी प्रकार फरियादी रेशमा मंसूरी 19 साल निवासी चंदननगर ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी 1 साल पहले मंसूरी से हुई। शादी के 1 महीने बाद से ही उसे छोटी-छोटी बातों को लेकर पति सास शकील खान ससुर शाहिद खान और जेठ शोएब खान ने प्रताड़ित करना शुरू किया और उसे घर से निकाल दिया। पुलिस ने सभी के खिलाफ के केस दर्ज किया है।

गार्डन में चल रहा था जुआ, आरोपियों से हजारों रुपए बरामद

इंदौर । एमआईजी पुलिस ने लगभग एक दर्जन आरोपियों को गार्डन में जुआ खेलते हुए गिरफ्तार कर हजारों रुपए बरामद किए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि जगजीवन रामनगर स्थित गार्डन में लोग जुआ खेल रहे हैं। पुलिस ने घेराबंदी कर अभिषेक कुलदीप सिकरवार बंटी कुमार राजेश कैथवास अजहरुद्दीन प्रशांत मनीष गोयल संतोष शिंदे अविनाश कमल रवि राजकुमार सनी और संजय को गिरफ्तार कर 20 हजार रुपए बरामद किए हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ 13 जुआ एक्ट का केस दर्ज किया है। इसी प्रकार बेटमा पुलिस ने देपालपुर बेटमा रोड पर जुआ खेलते हुए विकास फैजान शंकर दिलीप और गोपाल को गिरफ्तार करेंगे पास से 8200 बरामद किए हैं। जांच अधिकारी सहायक उप निरीक्षक राम प्रसाद सोलंकी के मुताबिक सभी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है।

भीड़वाड़ वाले क्षेत्र से बदमाशों ने महिला से मोबाइल छीन लिया

इंदौर । बदमाशों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि अब वह भीलवाड़ वाले क्षेत्र में भी वारदात करने से नहीं डरते हैं। ऐसी ही एक लूट की घटना लोहार पट्टी क्षेत्र में हुई। बाइक सवार तीन बदमाश महिला से मोबाइल छीन कर फरार हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी प्रेरणापति विकास विकास 24 साल निवासी माली मोहल्ला के साथ घटना हुई। प्रेरणा व्यास ने पुलिस को बताया कि वह शुक्रवार शाम लोहार पट्टी क्षेत्र से पैदल पैदल अपने घर मोबाइल फोन पर बात करते हुए जा रही थी तभी खंडेलवाल धर्मशाला के पास पीछे से मोटरसाइकिल पर आए 3 अज्ञात बदमाश छीन कर भाग गए। यहां क्षेत्र भीलवाड़ वाला है। घटना की सूचना मिलती ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपियों को पकड़ने के लिए नाकेबंदी की मगर कहीं कोई उनका सुराग नहीं मिला। इसी प्रकार टेलीफोन नगर में रहने वाली सीमा पति राजेंद्र सोनी ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार दोपहर वह किराने का सामान लेने जा रही थी तभी बाइक सवार दो बदमाश उसे धक्का देकर पर्स छीन कर ले गए जिसमें मोबाइल फोन और 4852 रुपए नकदी रखे थे। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया।

प्लाट के नाम पर 21 लख रुपए हड़प लिए, प्रकरण दर्ज

इंदौर । राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में युवक के साथ 21 लख रुपए की धोखाधड़ी किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी कपिल पिता संतोष चौधरी निवासी निहालपुर मुंडी ने दर्ज कराएगी रिपोर्ट में बताया कि उसका सिलिकॉन सिटी में ऑफिस है। उसके मुताबिक 18 अगस्त 20 22 को संतोष कुमार निवासी राहु ने उसे प्लांट दिलाने के नाम पर 21 लख रुपए ले लिए मगर आज तक प्लांट और ना ही रुपए वापस किए । पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 420 409 और 405 का प्रकरण दर्ज किया है। इसी प्रकार फरियादी विवेक पिता विजय शंकर दुबे निवासी क्लर्क कॉलोनी की रिपोर्ट पर आरोपी राहुल पिता अनिल वैष्णव निवासी विजयनगर के खिलाफ धारा 406 का केस दर्ज किया है। फरियादी विवेक दुबे ने पुलिस को बताया कि राहुल ने 4 जनवरी को उसे टवेरा कार परिवार को छोड़ने के लिए ले गया था जो वापस नहीं की। कार मांगने पर उसने जान से मारने की धमकी दी। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

दो बदमाशों ने पेट्रोल डालकर तीन वाहन फूंके

CCTV सामने आया, दोनों बदमाश आदतन अपराधी

इंदौर के बाणगंगा इलाके में बदमाशों ने एक के बाद एक तीन वाहनों पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। इसके बाद बदमाश वहां से भाग गए। वारदात को अंजाम देते हुए बदमाशों का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

बाणगंगा पुलिस के मुताबिक घटना कुम्हार खाड़ी की है। यहां रविवार देर रात मन्नु लाल कश्यप के घर के बाहर खड़े उनके तीन वाहनों में बदमाशों ने आग लगा दी। रात में घबराकर परिवार बाहर आए और आग बुझाई। रात में पुलिस को मामले की सूचना दी गई। परिवार ने गली के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज निकाले हैं। जिसमें आयुष और विशेष नाम के दो बदमाश गाड़ियों में आग लगाते दिखाई दे रहे हैं। बाणगंगा पुलिस के मुताबिक दोनों पर पूर्व के भी अपराध दर्ज हैं। उनकी तलाश की जा रही है।

प्रदेश सरकार के आदेश पर

26 जनवरी को आजीवन सजा काटने वाले 12 कैदियों को किया रिहा

परिजनों से मिलकर रो पड़े कैदी

इंदौर । 26 जनवरी पर सेंट्रल जेल से 12 कैदियों को सरकार के आदेश पर आजाद कर दिया है। यह सभी कैदी आजीवन सजा भुगत रहे थे। जेल से बाहर आते ही कैदी परिजनों से मिलकर रो पड़े।प्राप्त जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश सरकार के आदेश पर अब साल में चार बार अच्छे आचरण करने वाले कैदियों को रिहा किया जाता है। पहले 26 जनवरी और 15 अगस्त को ही कैदियों को रिया किया जाता था अब 2 अक्टूबर गांधी जयंती और अंबेडकर जयंती पर कैदियों को रिहा किया जाता है।शुक्रवार को इंदौर की सेंट्रल जेल से जैसे ही 12 कैदियों को रिहा किया गया तो यह सभी परिजनों को जेल के बाहर देखकर रो पड़े। सभी कैदियों ने अपराध नहीं करने की कसम खाई है और परिवार के साथ खुशी से रहने की बात कही है।

लैपटॉप-मोबाइल डिलीवर नहीं किए, FIR

पांच डिलीवरी बॉय ने 16 महीने में 9 लैपटॉप, 18 मोबाइल की हेराफेरी की

इंदौर के तुकोगंज पुलिस ने ऑनलाइन कूरियर कंपनी के मैनेजर की शिकायत पर पांच कर्मचारियों के खिलाफ धोखाधड़ी करने के मामले में केस दर्ज किया है। आरोपियों ने कई लैपटॉप और डेढ़ दर्जन मोबाइलों की हेराफेरी की है। वहीं उनके बिल और प्रोडक्ट की एंट्री कंपनी के सिस्टम में भी नहीं की। अकाउंट चेक करने के दौरान आरोपी पकड़े गए। इसके बाद पूरी जानकारी पुलिस को दी गई।

तुकोगंज पुलिस के मुताबिक इंस्टा कार्ट प्राइवेट लिमिटेड के एरिया मैनेजर देवेन्द्र चौहान की शिकायत पर दीपक देवड़ा निवासी सूरज नगर, हरिओम भुवन्ता निवासी सेरी ग्राम पनवाड़ी, शाजापुर, हिमांशु बदरिया निवासी चौधरी पार्क, संदीप मालवीय निवासी राजगढ़ और नीतेश जाटव निवासी पाटनीपुरा के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। देवेन्द्र के मुताबिक उनकी कंपनी साउथ तुकोगंज लार्डसन होटल के नीचे स्थित है। आरोपी उनके यहां डिलीवरी देने का काम करते हैं। सभी ने अक्टूबर 2023 से 28 जनवरी 2024 के बीच 9 लैपटॉप और अलग-अलग कंपनियों के करीब 18 मोबाइल डिलीवर नहीं किये।

आरोपियों ने कंपनी के सिस्टम में इसे अपडेट भी नहीं किया। और ना ही कंपनी में रुपए जमा कराए। कंपनी के सिस्टम में जब चेक किया गया तो उसमें पूरे मामले का खुलासा हो गया। कंपनी अधिकारियों के पूछने पर संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। इस वजह से कंपनी ने सभी आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करा दिया है।

माथे, गाल और गले की झुर्रियों से ज्यादा दिखने लगी है उम्र ?

रोज करें ये 2 आसान योगासन, रिवर्स हो जाएंगे एजिंग के लक्षण

बेहद कम लोग जानते हैं कि जिस तरह फिट और फ्लेक्सिबल बने रहने के लिए योग सबसे बेहतर विकल्प है, ठीक उसी तरह कुछ खास योगासन का अभ्यास आपकी स्किन पर भी बेहद पोजिटिव असर डालता है।बढ़ती उम्र का असर आपकी सेहत के साथ-साथ अपनी स्किन पर भी नजर आने लगता है। ऐसे में एक उम्र के बाद त?वचा से जुड़ी प्रॉ?लम?स जैसे झुर्रियां, महीन रेखाएं, स्किन का डल दिखना, काले धब्बे और ढीली त्वचा आदि आम हो जाती हैं। हालांकि, आज का खराब लाइफस्टाइल और अनहेल्दी खाने की आदतों के चलते कम उम्र में भी लोग इस तरह की त्वचा संबंधी समस्याओं से परेशान रहने लगे हैं। युवा अवस्था में भी लोगों के चेहरे खासकर माथे, गाल और गले के आसपास झुर्रियां दिखने लगती हैं, जो फिर आपकी पर्सनैलिटी पर असर डालने लगती हैं। वहीं, अगर आप भी इस तरह की परेशानियों से जूझ रहे हैं और तमाम तरह के महंगे एंटी एजिंग प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करने के बाद भी आपको इससे छुटकारा नहीं मिल पा रहा है, तो ये आर्टिकल आपके लिए मददगार साबित हो सकता है। दरअसल, बेहद कम लोग जानते हैं कि जिस तरह फिट और फ्लेक्सिबल बने रहने के लिए योग सबसे बेहतर विकल्प है, ठीक उसी तरह कुछ खास योगासन का अभ्यास आपकी स्किन पर भी बेहद पोजिटिव असर डालता है। खासकर रिंकल्स की समस्या में योग एंटी-एजिंग की तरह काम करता है। इसी कड़ी में योग विशेषज्ञ कामिनी बोबडे ने इंडियन एक्सप्रेस संग हुई एक बातचीत के दौरान झुर्रियों से निजात पाने के लिए 2 बेहद असरदार योगासन बताए हैं। आइए जानते हैं इनके बारे में-

सर्वांगासन

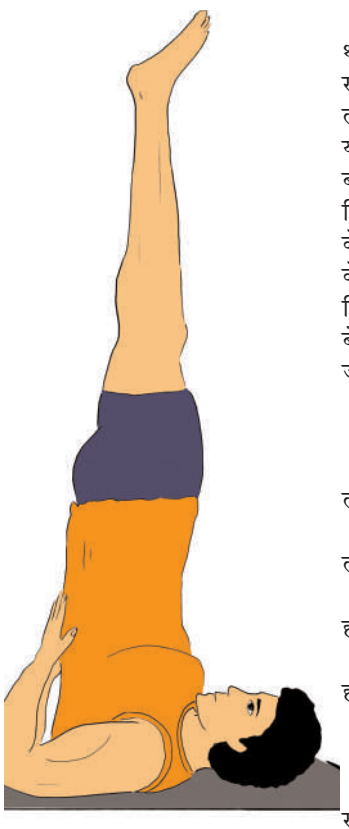

कामिनी बोबडे के मुताबिक, सर्वांगासन पिट्यूटरी और थायरॉइड जैसी हार्मोनल ग्रंथियों, आंखों, स्किन और बालों में रक्त के प्रवाह को बढ़ाने में मदद करता है, जिससे एजिंग के लक्षणों को उलटने में मदद मिलती है। इसके अलावा इस योगासन के अभ्यास से रक्त का प्रवाह उल्टा हो जाता है और ब्लड फ्लो तेजी से सिर की ओर होने लगता है। इससे आपके दिल को ऑक्सीजन युक्त रक्त को आपके चेहरे तक ले जाने के लिए भी ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती है। गुरुत्वाकर्षण के कारण आपकी स्किन को ताजा रक्त कोशिकाओं का प्रवाह मिलता है, जिससे चेहरे पर रेडिएंट ग्लो आता है। साथ ही बेहतर ब्लड फ्लो के चलते आपकी स्किन लंबे समय तक जवां और रिंकल फ्री भी बनी रहती है।

कैसे करें सर्वांगासन?

इसके लिए जमीन पर मैट बिछाकर कमर के बल सीधे लेट जाएं।

अपने हाथों को सीधा पीठ के बगल में जमीन से टिका लें।

अब, सांस अंदर लेते हुए दोनों टांगों को उठाकर अर्ध हलासन में आएं।

इस दौरान कोहनियों को जमीन पर टिकाए रखें और हाथों से पीठ को सहारा दें।

इस मुद्रा में सांस लेते रहें।

अब, धड़ और टांगों को उठाकर बिलकुल सीधा कर लें।

अपनी क्षमता के मुताबिक 30 से 60 सेकेंड तक ऐसे ही रहें। इसके बाद धीर-धीरे सांस लेते हुए नीचे आ जाएं।

शुरुआत में इस योगासन को करने के लिए आप दीवार का सहारा ले सकते हैं।

भस्त्रिका प्राणायाम

इसके अलावा आप भस्त्रिका प्राणायाम का सहारा भी ले सकते हैं। योग विशेषज्ञ के मुताबिक, भस्त्रिका प्राणायाम का अभ्यास विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है, साथ ही इसके नियमित अभ्यास से रक्त में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है और कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा कम होती है, जो स्किन को कई तरह से फायदा पहुंचता है। ऐसे में बेहतर स्किन पाने के लिए आप भस्त्रिका प्राणायाम का अभ्यास कर सकते हैं।

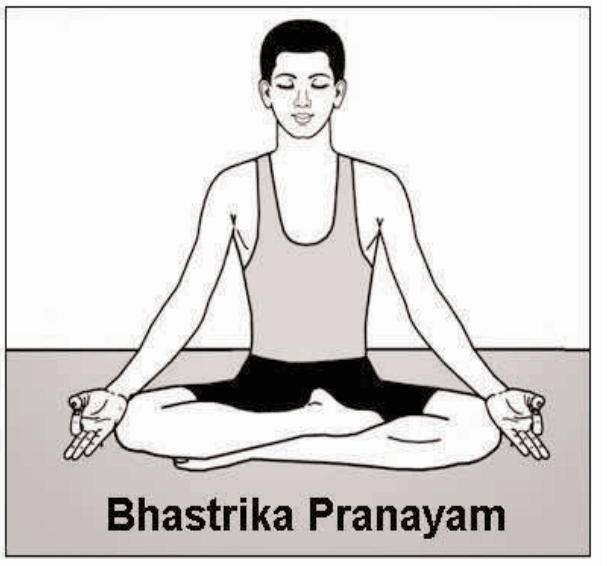

कैसे करें भस्त्रिका प्राणायाम?

भस्त्रिका प्राणायाम करने के लिए सबसे पहले किसी भी शांत वातावरण में सिद्धासन, वज्रासन या पद्मासन में बैठ जाएं।

इस दौरान अपनी गर्दन, शरीर और सिर को सीधा रखें।

इसके बाद अपनी आंखें और अपना मुंह बंद कर लें।

योग शुरू करने से पहले अपने नथनों को भी अच्छी तरह साफ कर लें।

अब अपने हाथों को चीन या ज्ञान मुद्रा में रखें।

धीरे-धीरे सांस खींचते हुए अपनी सांस को बलपूर्वक छोड़ दें।

अब एक बार फिर अपनी सांस बलपूर्वक खींचे और वैसे ही उसे छोड़ें।

भस्त्रिका प्राणायाम करते वक्त धौंकनी की तरह आपको अपनी छाती को फुलाना और पिचकाना है।

इस आसन को भी 3 से 4 बार दोहराएं।

मन जैसा होगा,तन भी वैसा होगा

हमारे मन को कुदरत ने इस तरीके से बनाया है कि हम जब किसी भी कार्य, व्यक्ति अथवा वस्तु पर एक प्रतिशत भी शंका न कर, उस पर सौ प्रतिशत यकीन करते हैं तो उस कार्य, व्यक्ति, वस्तु का शुभाशुभ प्रभाव हमारे जीवन में घटित होने लगता है।

मानव मन निर्विवाद रूप से एक ऐसी प्रमुख शक्ति है जिसकी सहायता से व्यक्ति असाध्य से असाध्य रोगों से मुक्ति पा सकता है। अध्यात्म के अनुसार सभी रोगों का मूल कारण या बीज मन में ही रहता है, शरीर तो केवल मन का प्रतिबिंब है। शरीर पर जो लक्षण प्रकट होते हैं उसका कारण मन में ही स्थित होता है। स्वास्थ्य सुख एवं रोगों के विनाश के लिए शरीर के साथ मन की एकरूपता आवश्यक है। प्रसिद्ध दृष्टांत अनुसार, एक बार गंभीर रूप से बीमार एक व्यक्ति को किसी ने बताया कि दूसरे गांव में एक वैद्य हैं, जिनकी दवाई से व्यक्ति शीघ्र स्वस्थ हो जाता है। यह सुनकर व्यक्ति वैद्य जी को मिलने पहुंचा, उस समय वैद्य जी अपने खेत में खेती-बाड़ी का कार्य कर रहे थे। बीमार व्यक्ति उनके पास गया और अपनी बीमारी बताई। वैद्य जी के पास उस समय लिखने के लिए कुछ नहीं था, इसलिए उन्होंने खेत में पड़ी एक ईंट उठाई और उस पर कोयले से दवाई का नाम लिखकर बीमार व्यक्ति को देकर कहा, %यह दवाई बाजार से ले लेना और हर दिन इसे पानी में घोलकर पी लेना।% मंदबुद्धि होने के कारण बीमार व्यक्ति वैद्यजी की बातें ठीक से समझ नहीं पाया। कुछ महीने बाद वह बीमार व्यक्ति फिर से वैद्य जी के पास गया और बोला, %वैद्य जी! आपने जो औषधि दी है वह बहुत अच्छी है, उसकी वजह से मैं आधा ठीक हो गया हूं। थोड़ी सी औषधि और दे दीजिए।%

वैद्य जी ने कहा, %मैंने तो तुम्हें दवाई का नाम लिखकर सब समझाया था।% तब व्यक्ति ने कहा, %हां वैद्य जी, ईंट तो मेरे घर के आस-पास भी थी लेकिन उस पर आपने जो लिखा था वह लिख दीजिए।% वैद्यजी ने जब उससे पूरी बात पूछी तो उसने बताया कि, %आपने जो ईंट दी थी उसे मैं पानी में घोलकर पी रहा हूं, और मुझे आराम है। ईंट पर लिखा हुआ आपका मंत्र काम कर रहा है।% वैद्य जी आश्चर्यचकित हुए लेकिन उन्होंने उस व्यक्ति को सच्चाई बताना ठीक नहीं समझा क्योंकि वह ईंट उस व्यक्ति के लिए दवाई से बेहतर काम कर रही थी। वैद्य जी ने एक और दूसरी ईंट लीं और कोयले से उस पर उसी दवाई का नाम लिखकर उसे दे दिया। कुछ माह बाद वह व्यक्ति पूरी तरह से ठीक हो गया। वैद्य और उसकी दवा पर बिना किसी शंका के सौ प्रतिशत यकीन ने ही उस व्यक्ति का असाध्य रोग छूमंतर कर दिया।

रणबीर-आलिया बने बेस्ट एक्टर, 12वीं फेल और एनिमल का रहा जलवा

बॉलीवुड के बड़े अवॉर्ड्स में से एक फिल्मफेयर अवॉर्ड्स 2024 की सेरेमनी रविवार को गुजरात में हुई. इस फंक्शन में बॉलीवुड के कई बड़े नाम मौजूद थे. अवॉर्ड्स की लिस्ट में विक्रांत मैसी की फिल्म 12वीं फेल और रणबीर कपूर की एनिमल का खूब जलवा रहा.फिल्मफेयर अवॉर्ड्स का 69वां एडिशन रविवार को गांधीनगर, गुजरात में हुआ. करण जौहर, आयुष्मान खुराना और मनीष पॉल ने जहां ये अवार्ड शो होस्ट किया, वहीं बॉलीवुड के तमाम बड़े स्टार्स भी इवेंट पर नजर आए. पिछले साल आई फिल्मों को सम्मान देने के लिए हुए फिल्मफेयर अवॉर्ड्स 2024 में विक्रांत मैसी स्टारर 12वीं फेल और रणबीर कपूर की एनिमल का खूब जलवा रहा. दोनों फिल्मों ने 5-5 अवॉर्ड्स अपने नाम किए. बॉलीवुड के पॉपुलर कपल रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के लिए ये मौका खास रहा क्योंकि दोनों एक्टर्स ने अपनी-अपनी कैटेगरी में बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड जीता. विक्रांत मैसी की सरप्राइज हिट 12वीं फेल ने अवॉर्ड्स की ज्यूरी को बहुत इम्प्रेस किया. इस फिल्म के लिए विक्रांत को तो बेस्ट एक्टर का क्रिटिक चॉइस अवॉर्ड मिला ही, फिल्ममेकर विधु विनोद चोपड़ा को भी बेस्ट डायरेक्टर चुना गया.

पेश है फिल्मफेयर अवॉर्ड्स 2024 के विनर्स की पूरी लिस्ट

बेस्ट फिल्म- 12वीं फेल
बेस्ट डायरेक्टर- विधु विनोद चोपड़ा
बेस्ट फिल्म (क्रिटिक्स)- जोरम
बेस्ट एक्टर इन लीडिंग रोल (मेल)- रणबीर कपूर (एनिमल)
बेस्ट एक्टर (क्रिटिक्स)- विक्रांत मैसी (12वीं फेल)
बेस्ट एक्टर इन लीडिंग रोल (फीमेल)- आलिया भट्ट (रॉकी और रानी की प्रेम कहानी)
बेस्ट एक्ट्रेस (क्रिटिक्स)- रानी मुखर्जी (मिसेज चैटर्जी वर्सेज नॉर्वे) और शेफाली शाह (थ्री ऑफ अस)
बेस्ट एक्टर इन सपोर्टिंग रोल (मेल)- विक्की कौशल (डंकी)
बेस्ट एक्टर इन सपोर्टिंग रोल (फीमेल)- शबाना आजमी (रॉकी और रानी की प्रेम कहानी)
बेस्ट लिरिक्स- अमिताभ भट्टाचार्य (तेरे वास्ते- जरा हटके जरा बचके)
बेस्ट म्यूजिक एल्बम- एनिमल
बेस्ट प्लेबैक सिंगर(मेल)- भूपिंदर बब्बल (अर्जन वैली- एनिमल)
बेस्ट प्लेबैक सिंगर(फीमेल)- शिल्पा राव (बेशरम रंग- पठान)
बेस्ट स्टोरी- अमित राय , देवाशीष मखीजा (जोरम)
बेस्ट स्क्रीनप्ले- विधु विनोद चोपड़ा (12वीं फेल)
बेस्ट डायलॉग- इशिता मोइत्रा (रॉकी और रानी की प्रेम कहानी)
बेस्ट बैकग्राउंड स्कोर- हर्षवर्धन रामेश्वर (एनिमल)
बेस्ट सिनेमेटोग्राफी- अविनाश अरुण धवारे (थ्री ऑफ अस)
बेस्ट एडिटिंग- जसकुंवर सिंह कोहली- विधु विनोद चोपड़ा (12वीं फेल)
बेस्ट एक्शन- जवान
बेस्ट VFX- रेड चिलीज VFX (जवान)
बेस्ट कोरियोग्राफी- गणेश आचार्य (व्हाट झुमका- रॉकी और रानी की प्रेम कहानी)
बेस्ट डेब्यू डायरेक्टर- तरुण डुडेजा (धक धक)
बेस्ट डेब्यू (मेल)- आदित्य रावल (फराज)
बेस्ट डेब्यू (फीमेल)- अलिजेह अग्निहोत्री (फर्रे)
बेस्ट प्रोडक्शन डिजाईन- सुब्रता चक्रवर्ती, अमित रे (सैम बहादुर)
बेस्ट कॉस्टयूम डिजाईन- सचिन लवलेकर, दिव्या गंभीर, निधि गंभीर (सैम बहादुर)
बेस्ट साउंड डिजाईन- कुणाल शर्मा (सैम बहादुर), सिंक सिनेमा (एनिमल)
लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड- डेविड धवन

Farm House Wala.com
STARTING PRICE - 351/- SQFT

Picture Perfect
FARMHOUSES FOR SALE
Platinum Package
Home Features
➤ 10*20 swimming pool
➤ Plantation
➤ Rcc Boundari
➤ Landscaping
➤ Fountain
➤ 800 sqft 2 bhk
Call To Find Out More
8889066688, 9109639404
www.farmhousewalaa.com

गिल ने फिर तोड़ा भारतीय फैन्स का दिल...

अगले टेस्ट में प्लेइंग-11 से होगी छुट्टी!

शुभमन गिल का फॉर्म टीम मैनेजमेंट के लिए सिरदर्द बन चुका है. गिल टेस्ट क्रिकेट में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं, जो किसी टीम के लिए काफी अहम पोजीशन होता है. गिल की जगह टीम मैनेजमेंट अगले मैच में रजत पाटीदार को मौका देने पर विचार कर सकती है.

भारत-इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला गया. इस मुकाबले में भारतीय टीम को 28 रनों से हार का सामना करना पड़ा. भारत ने पहली पारी के आधार पर 190 रनों की लीड ले थी, लेकिन उसके बाद वह मोमेंटम जारी रख नहीं पाई. भारत ने पहली बार 100 या उससे ज्यादा रन की लीड लेने के बाद अपने घर पर कोई टेस्ट मैच गंवाया है. दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट मैच 2 फरवरी से विशाखापत्तनम में खेला जाएगा.

मैच की चौथी पारी में भारतीय बल्लेबाज डेब्यूटेंट स्पिन गेंदबाज टॉम हार्टले के बिछाए स्पिन जाल में फंस गए. हार्टले ने सात भारतीय बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा. शुभमन गिल का प्रदर्शन सबसे निराशाजनक रहा और वो अपना खाता भी नहीं खोल पाए. गिल पहली पारी में भी सिर्फ 23 रन बनाकर चलते बने थे. पहली पारी में भी गिल को टॉम हार्टले ने आउट किया था.

क्या रजत पाटीदार को मिलेगा मौका?

शुभमन गिल का फॉर्म भारतीय टीम मैनेजमेंट के लिए सिरदर्द बन चुका है. गिल टेस्ट क्रिकेट में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं, जो किसी टीम के लिए काफी अहम पोजीशन होता है. चेतेश्वर पुजारा के ड्रॉप होने के बाद से गिल को लगातार तीसरे नंबर पर आजमाया जा रहा है, लेकिन वह कामयाब नहीं हो पा रहे हैं. अब गिल की जगह टीम मैनेजमेंट अगले मैच में रजत पाटीदार को मौका देने पर विचार कर सकती है. रजत को विराट कोहली के बाहर होने के बाद स्क्वॉड में शामिल किया गया था.

रजत ने 2022-2023 रणजी सीजन के 7 मैचों की 12 पारी में 565 रन 47.08 के एवरेज से बनाए थे, इस दौरान उन्होंने 1 शतक और 6 अर्धशतक बनाए. वहीं उन्होंने 2021-22 सीजन में महज 6 मैचों की 9 पारी में 658 रन बनाए थे, इस दौरान उनका एवरेज 82.25का रहा था. इस दौरान उनके बल्ले से 2 शतक और 5 अर्धशतक भी आए.

24 वर्षीय शुभमन गिल टेस्ट क्रिकेट में काफी समय से %आउट ऑफ फॉर्म% चल रहे हैं. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (ड्ब्लूटीसी) फाइनल से लेकर अबतक गिल ने क्रिकेट के इस सबसे बड़े फॉर्मेट में एक भी फिफ्टी नहीं जड़ी है. साउथ अफ्रीका दौरे पर भी गिल का बल्ला खामोश रहा था और चार पारियों में 74 रन ही बना पाए थे.

शुभमन गिल ने अपना आख?िरी शतक टेस्ट 9 मार्च 2023 को ऑस्ट्रेलिया के ख?िलाफ अहमदाबाद में लगाया था. उसके बाद से गिल ने 13, 18, 6, 10, 29*, 2, 26, 36, 10, 23 और 0 रनों की पार?ियां खेली हैं. गिल का टेस्ट एवरेज गिरकर 30 से कम चुका है. गिल ने अब तक 21 टेस्ट मैचों में 29.52 के एवरेज और 2 शतक 4 अर्धशतक की बदौलत अब तक 1063 रन बनाए हैं.

केवल ओडीआई में सफल रहे हैं गिल

शुभमन गिल के आंकड़े देखे जाएं तो उनका बल्ला केवल वनडे में गरजता है. गिल ने अब तक 44 वनडे में 61.37 के एवरेज और 103.46 के स्ट्राइक रेट से 2271 रन बनाए हैं. इसमें 6 शतक भी शामिल हैं. गिल का क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 में प्रदर्शन संतोषजनक रहा, यहां उन्होंने 9 मैचों में 44.25 के एवरेज और 106.94 के स्ट्राइक रेट से 354 रन बनाए. गिल ने 14 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं, जहां गिल ने 25.76 के एवरेज और 147.57 के स्ट्राइक रेट से 335 रन बनाए हैं, इसमें एक शतक शामिल है.

RESIDENTIAL PLOTS
FOR SALE

तुरन्त रजिस्ट्री। तुरन्त पजेशन

PLOT SIZE:-
12*50 = 600, SQFT
15*40= 600SQFT
15*50= 750SQFT
20*50= 1000 SQFT

1111/- SQFT

Book an appointment now:
8889066688, 9109639404

WWW.GATEWAYGHAR.IN

संशोधित पार्बती-कालीसिंध-चंबल-ईआरसीपी लिंक परियोजना के त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर मध्यप्रदेश, राजस्थान और केंद्र सरकार के बीच हस्ताक्षर

लिंक परियोजना पश्चिमी मध्यप्रदेश के लिए होगी वरदान- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

संघीय संघवाद का स्वर्णिम उदाहरण है त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन- केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री शेखावत

चंबल बेसिन के जल संसाधनों का हो सकेगा बेहतर उपयोग- राजस्थान मुख्यमंत्री श्री शर्मा

मध्यप्रदेश, राजस्थान और केंद्र सरकार के बीच आज श्रमशक्ति भवन स्थित जल शक्ति मंत्रालय के कार्यालय में संशोधित पार्बती-कालीसिंध-चंबल-ईआरसीपी लिंक परियोजना के त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा की उपस्थिति में सचिव, केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय श्रीमती देबाश्री मुखर्जी, मध्य प्रदेश के अपर मुख्य सचिव, जल संसाधन डॉ. राजेश राजौरा और राजस्थान शासन के अपर मुख्य सचिव, जल संसाधन श्री अभय कुमार ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित होने के उपरांत मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगभग दो दशकों से लंबित पार्बती-कालीसिंध-चंबल परियोजना अब मूर्त रूप ले सकेगी। इस परियोजना से मध्यप्रदेश के चंबल और मालवा अंचल के 13 जिलों को लाभ पहुंचेगा। प्रदेश के ड्राई बेल्ट वाले जिलों जैसे मुरैना, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, भिंड और श्योपुर में पानी की उपलब्धता बढ़ेगी और औद्योगिक बेल्ट वाले जिलों जैसे इंदौर, उज्जैन, धार, आगर-मालवा, शाजापुर, देवास और राजगढ़ के औद्योगीकरण को और बढ़ावा मिलेगा। प्रदेश के मालवा और चंबल अंचल में लगभग तीन लाख हेक्टेयर का सिंचाई रकबा बढ़ेगा। परिणामस्वरूप इन अंचलों के धार्मिक और पर्यटन केंद्र भी विकसित होंगे। यह परियोजना निश्चित रूप से पश्चिमी मध्यप्रदेश के लिए एक वरदान है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि यह परियोजना 5 वर्ष से कम समय में फलीभूत होगी, जिसकी वर्तमान लागत लगभग 75000 करोड़ रुपए है। प्रदेश के लगभग 1.5 करोड़ आबादी इस परियोजना से लाभान्वित होगी। यह परियोजना प्रदेश की गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा, जैसी समस्याओं का समाधान कर प्रदेशवासियों के जीवन स्तर में सुधार लाएगी।

इस अवसर पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि आज का दिन मध्यप्रदेश और राजस्थान के पानी की कमी वाले 26 जिलों के लिए स्वर्णिम सूर्योदय का दिन है। परियोजना से लगभग 5.60 लाख हैकटेयर क्षेत्र में सिंचाई के साथ ही बांधों और बड़े तालाबों में पानी का संचय कर जल-स्तर उठाने में सफलता प्राप्त होगी। पार्बती-कालीसिंध-चंबल परियोजना को पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना से एकीकृत कर इसे राष्ट्रीय महत्व की परियोजना का दर्जा देते हुए अत्यंत कम समय में मध्यप्रदेश और राजस्थान राज्यों के बीच सहमति बनी जिसके लिए दोनों सरकारें बधाई की पात्र हैं। यह परियोजना संघीय संघवाद का स्वर्णिम उदाहरण है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि इस परियोजना से राजस्थान और मध्यप्रदेश के चंबल बेसिन के जल संसाधनों का बेहतर उपयोग करने में मदद होगी जिससे दोनों राज्यों के औद्योगिक और कृषि क्षेत्रों को फायदा मिलेगा, और भविष्य में दोनों राज्यों के रिश्ते और प्रगाढ़ होंगे।

त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन में इस लिंक परियोजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश और राजस्थान राज्यों में कुल 5.60 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई प्रदान करने के साथ-साथ पूर्वी राजस्थान के 13 जिले और मध्य प्रदेश के मालवा और चंबल क्षेत्र के 13 जिलों में पेयजल और औद्योगिक उपयोग के लिये पानी उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है। समझौता ज्ञापन में लिंक परियोजना के काम का दायरा, पानी का बंटवारा, पानी का आदान-प्रदान, लागत और लाभ का बंटवारा, कार्यान्वयन तंत्र और चंबल बेसिन में पानी के प्रबंधन और नियंत्रण की व्यवस्था शामिल की गई हैं। उल्लेखनीय है कि पार्बती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना की फीजिबिलिटी रिपोर्ट फरवरी 2004 में तैयार की गई थी तथा वर्ष 2019 में राजस्थान सरकार द्वारा आरसीपी का प्रस्ताव लाया गया था। वर्तमान समझौता ज्ञापन में दोनों परियोजनाओं को एकीकृत कर दिया गया है।

सहज योग कितना मजबूत है? सहज योग करके आपको क्या चमत्कार महसूस हुआ?

हम सभी पैसे, नौकरी, वासना, लालच आदि आदि से बने उस अदृश्य शीशे को पहने हुए हैं। इसलिए, किसी के लिए सहज योग में आना तब तक मुश्किल है जब तक कि वे उनमें कुछ %चमत्कार% न देख लें और वह भी थोड़े समय के भीतर जैसे कि अच्छी नौकरी पाना या लक्जरी कारों का होना। सच कहूँ तो, शुरुआत में मेरे मन में भी इस प्रकार के विचार थे और अंततः कुछ चमत्कार, जैसा कि आप इसे कहते हैं, मेरे साथ हुआ जैसे कि मैं जहाँ मैं था वहाँ से अपनी नौकरी बदलने में सक्षम हो गया और छोटे-छोटे चमत्कार हर बार होते रहते हैं जब तब। लेकिन यह वह मुद्दा नहीं है जिसमें अब मेरी दिलचस्पी है। मैं पिछले तीन वर्षों से सहज योग का अभ्यास कर रहा हूं और मेरी प्राथमिकताएं हर दिन बदल रही हैं। धीरे-धीरे, अच्छी नौकरी, ढेर सारा पैसा, विलासितापूर्ण जीवन और कई अन्य कृत्रिम चीजों में मेरी दिलचस्पी कम होती जा रही है। मैं कभी-कभी सर्वशक्तिमान ईश्वर के साथ जुड़ाव महसूस कर सकता हूं। मैं यह नहीं कहूंगा कि मैं मन की उस स्थिति तक पहुंच गया हूं जहां व्यक्ति इस सांसारिक मोह-माया से पूरी तरह से अलग हो जाएगा, लेकिन यह मेरे साथ हो रहा है कि मैं आपको बता सकता हूं। वह चमत्कार है जिसमें मेरी अभी अधिक रुचि है यानी पूरी तरह से ईश्वरीय कृपा में होना। एक बार जब आप उस स्थिति में पहुंच जाते हैं, तो आप सभी विनाशकारी शक्तियों से सुरक्षित हो जाएंगे, सब कुछ आपकी इच्छा के अनुसार होगा, आप बारिश और सूरज को नियंत्रित कर सकते हैं। सहज योग आपको इतना मजबूत बना सकता है।

लेकिन इन सबमें समय लगेगा, हो सकता है वर्षों, पूर्ण समर्पण और समर्पण। ये सभी सतही चीजें जिनके पीछे हम भाग रहे हैं वे आपको आपदा के अलावा कहीं नहीं ले जाएंगी। इसलिए बेहतर है कि सहज योग में आएं और दिव्य प्रेम में सराबोर हो जाएं। जय श्री माताजी.

दिग्विजय सिंह ने बीजेपी और नीतीश कुमार पर निशाना साधा-इंदौर में बोले- नीतीश के लिए बीजेपी के सारे रास्ते बंद थे तो अब क्या हुआ

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह रविवार शाम प्रवास पर इंदौर पहुंचे। रेसीडेंसी कोठी पर उन्होंने कार्यकर्ताओं से मुलाकात की।

मीडिया से चर्चा के दौरान दिग्विजय सिंह ने कहा कि अगर इंडिया अलायंस का कन्वीनर नीतीश कुमार को बनना था तो बन जाते। खड़गे जी तैयार थे। अमित शाह ने कहा था नीतीश कुमार के लिए बीजेपी के दरवाजे हमेशा के लिए बंद हो गए हैं तो फिर अब क्या हुआ।

बता दें कि पूर्व प्रस्तावित कार्यक्रम अनुसार वे सुबह 11 बजे भोपाल से रवाना होकर दोपहर 2 बजे इंदौर पहुंचने वाले थे। लेकिन उनके प्रोग्राम में बदलाव हुआ और शाम 5 बजे उनके आने की सूचना दी गई लेकिन वे लेट हो गए और शाम को 7 बजे के बाद इंदौर पहुंचे। उनके इंतजार में शाम 5 बजे से कांग्रेस कार्यकर्ता रेसीडेंसी कोठी पर जमा हो गए थे।

पैरालंपिक तैराक सत्येंद्र सिंह का इंदौर से खास रिश्ता-तरण पुष्कर में अभ्यास, फिर पार की इंग्लिश चैनल, अब पद्मश्री

2024 के पद्मश्री पुरस्कार के लिए चयनित 36 वर्षीय पैरालंपिक तैराक सत्येंद्र सिंह लोहिया का इंदौर से खास रिश्ता है। 2018 में लंदन में इंग्लिश चैनल तैरकर पार करने का कीर्तिमान रचने से दो साल पहले उन्होंने इंदौर में महू नाका स्थित तरण पुष्कर में तैराकी का लगातार अभ्यास किया है। लोहिया ने बताया वे मूलतः भिंड के हैं और पिता वर्तमान में ग्वालियर में रहते हैं।

वे 2016 से इंदौर में रह रहे हैं और वाणिज्यिक कर विभाग में कार्यरत हैं। खंडवा रोड पर वे परिवार के साथ रहते हैं। सत्येंद्र बताते हैं 2007 से वे तैराकी कर रहे हैं। कृषक पिता गयाराम लोहिया और माता नारायणी देवी के चार पुत्रों में वे सबसे बड़े हैं। अब तक सात नेशनल और तीन इंटरनेशनल पैरा स्विमिंग चैंपियनशिप में हिस्सा ले चुके हैं। करीब 20 मेडल जीते हैं, जिसमें 5 गोल्ड मेडल शामिल हैं।

इंदौर BRTS पर पहली बार उतरेंगी नई इलेक्ट्रिक सिटी बसें-कीमत डेढ़ करोड़ रु

इंदौर में राजीव गांधी चौराहे से देवास नाका तक BRTS पर अब नई इलेक्ट्रिक बसें चलेंगी। यह रूट 11.5 किमी लंबा है। अभी यहां CNG और डीजल बसें ही चल रही हैं। जल्द ही सभी डीजल बसों को हटाकर इलेक्ट्रिक बसें शुरू कर दी जाएंगी। ये बसें साउथ के त्रिची से आएंगीं। डेढ़ करोड़ रुपए कीमत की पहली ई-बस आ गई है। इसे जल्द ही BRTS पर उतारा जाएगा।

बस की खासियत यह है कि गड्ढ़ों और स्पीड ब्रेकर पर भी इसमें दचके नहीं लगेंगे। इसके सस्पेंशन वॉल्वो बस की तरह एयर सस्पेंशन के हैं। सीटें गद्देदार हैं। BRTS पर ऐसी कुल 30 ई-बसें चलाई जाएंगी। बाकी बसें जल्द इंदौर आ जाएंगी।

अभी BRTS पर 49 में से 29 बसें सीएनजी, बाकी डीजल वाली

इंदौर के BRTS पर अभी कुल 49 बसें चल रही हैं। इनमें 29 बसें सीएनजी हैं, बाकी डीजल है। डीजल की इन 20 बसों कों इलेक्ट्रिक बस से बदल दिया जाएगा। इसके अलावा 10 नई बसें भी चलाई जाएगी। इससे बस ओवरलोडिंग की समस्या कम होगी।

एआईसीटीएसएल के अधिकारियों का कहना है कि डीजल बसों को रिप्लेस करने के का मुख्य उद्देश्य इंदौर BRTS को ग्रीन कॉरिडोर बनाना है। नई बसें आने के बाद यहां चलने वाली बसों की कुल संख्या 49 से बढ़कर 59 हो जाएगी। अभी बस का राजीव गांधी डिपो के अंदर ही चार्जिंग, कैपेसिटी और कम्फर्ट सहित अन्य पॉइंट पर ट्रायल किया जा रहा है।

बस में नहीं लगेंगे झटके, स्वीच कंपनी ने बनाया है मॉडल

इंदौर में चलने वाली 1.5 करोड़ रूपए कीमत वाली बसों को हिंदुजा ग्रुप की स्विच मोबिलिटी कंपनी ने बनाया है बस का नाम **EiV12** है। हिंदुजा ग्रुप की तरफ से बस के साथ इंदौर आए एडब्लयूएम बोनी सहाय ने बताया कि इस बस की खासियत यह है कि इसमें 36 सीटें है। खड़े होने वाले यात्रियों के लिए 24 हैंडल है। यात्रियों की सुविधा के लिए बस की सीटें गद्देदार बनाई गई हैं। बस में यात्रियों को दचके और झटके नहीं लगे इसके लिए एयर सस्पेंशन का इस्तेमाल किया गया है। वहीं बस को फुल चार्ज होने में 1 से 3 घंटे का समय लगता है।

डबल चार्जर वाली बस, सिंगल चार्ज पर ही 300 किमी तक चलेगी

कंपनी के अधिकारियों ने बताया ई-बस में डबल चार्जर सिस्टम है। इससे बस के ई-रिचार्ज होने वाला समय आधा हो जाता है। यानी सिंगल चार्जर से बस अगर 6 घंटे में चार्ज होती है तो डबल चार्जर से बस 3 घंटे में ही चार्ज हो जाएगी। बस एक बार चार्ज होने पर 300 से 350 किमी तक चलेगी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)